" अमृतलाल नागर के 'सुहाग के नूपुर' उपन्यास में चित्रित समाज जीवन तथा नारी जीवन "

शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर की एम्. फिल्.
(हिंदी) उपाधि हेतु प्रस्तुत लघु शोध - प्रबंध

शोध - छात्रा

कु. पूनम बाळासाहेब लंबे
एम्. ए. बी. एड्. (हिंदी)

शोध - निर्देशिका
डॉ. रुख़साना महामूदमियाँ शेख
एम्. ए. पीएच्. डी.

अध्यक्षा, हिंदी विभाग,
दहिवडी कॉलेज, दहिवडी,
जि. सातारा. (महाराष्ट्र)
सदस्या, हिंदी अध्ययन मंडल,
शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर.

शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर (महाराष्ट्र)

फरवरी , 2009.

24/02/2009
अध्यक्ष,
हिंदी विभाग,
शिवाजी विश्वविद्यालय,
कोल्हापुर-४१६००४.

BUO-6245-T015502

अमृतलाल नागर

जन्म - 17 अगस्त 1916 ई. मृत्यू - 23 फरवरी 1990 ई. ।

" तुम नागर, साहित्य, कला, संस्कृति के तुम में साधना ।
समदर्शी सबके प्रति मन में हैं अधिकारी भावना ।
दाता तुम और नहीं किसी से किसी बात की याचना ।
सहज कर्मयोगी तुम, आगे शेष न कोई कामना ।
मानव मन की सीमाएँ यद्यपि तुमने स्वीकार की ।
पर उन सीमाओं में भी तुम कितने श्रेष्ठ विशाल हो ।
जैसा नाम तुम्हारा वैसे ही तुम अमृतलाल हो ।"